NEWSLETTER

शनिवार, 24 जून 2023 | वॉल्यूम - 51

महाराष्ट्र में कपड़ा उद्योग वित्तीय संकट

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

GOLD : 58300
SILVER : 68085
CRUD OIL : 5681

— चार पीढ़ियों से सफलतापूर्वक करते आ रहे कॉटन ब्रोकरेज का काम —

श्री सचिन शर्मा द्वारा SIS न्यूज टीम को दिए गए साक्षात्कार की विवरणी।

सचिन जी महाराष्ट्र कॉटन ब्रोकर एसोसिएशन के दूसरी बार अध्यक्ष चुने गए है उन्होंने अपने परिचय देते हुआ बताया की 1946 में उनके दादाजी स्व. श्री शक्ति वल्लभ जी शर्मा के हस्ते ब्रोकरेज का काम शुरू किया गया था जो उनके बाद उनके पुत्र श्री राज कुमार शर्मा जी के निवृत्ति के बाद इस काम को सचिन जी और उनके पुत्र साहिल शर्मा तथा उनके छोटे भाई संजीव शर्मा जी ने संभाला है विरासत में मिले काम को चलाते हुए सचिन जी पिछले 22 सालो से महाराष्ट्र के अकोला में ब्रोकरेज का व्यवसाय चला रहे है इसमें इनका सबसे ज्यादा नार्थ और महाराष्ट्र राज्यों में काम होता है जिसमे नार्थ में ट्राइडेंट, वर्धमान, नाहर, आर पी इंटरनेशनल, वेलस्पन इंडिया के लिए काम करते है और महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक और लोअर राजस्थान के जिनर से काम होता इन राज्यों में इनके ऑफिस भी है और साल का 5 से 6 लाख गठनो तक का बिज़नेस होता है।

सचिन शर्मा (बिट्टू जी)
शक्ति वल्लभ राज कुमार,
कॉटन ब्रोकर & केनवासिंग ऐजन्ट
अकोला (महाराष्ट्र)

ख़रीददार (BUYER)और विक्रेता (SELLER) के बिच में ट्रांस्परेन्सी होनी जरुरी है।

महाराष्ट्र कॉटन ब्रोकर एसोसिएशन ने पिछले 2 साल में ऐसा कोनसे बदलाव किये गए जिनके कारण दूसरी बार चुने गए है इसका जवाब देते हुए बताया की एक ब्रोकर को काम खरीददार और विक्रेता के बीच संतुलन बनाना होता है, जिससे विवाद कम या बिलकुल भी न हो अगर विवाद होता है, तो ब्रोकर को कमीशन नहीं मिल पाता जिसके कारण बहुत परेशानी से गुजरना पड़ता है। इसी परिस्थिति को देखते हुए ब्रोकर एसोसिएशन में उन्होंने 7 लोगो की ऐसी कमिटी बनाई गई है जो इन विवादों को सुलझाती है जिस कमिटी का नाम (डिस्प्यूट कमिटी) रखा गया है. जो अन्य कोई कारण खरीदार और विक्रेता से ब्रोकर को अपना कमीशन निकलने में मदद कराती है। महाराष्ट्र कॉटन ब्रोकर एसोसिएशन को 50 साल पुरे हो रहे है जिसके चलते स्वर्ण महोस्तव मनाया जा रहा है। एसोसिएशन में पहले महाराष्ट्र के ही लोगो को ही सदस्य बनाया जाता था पर अब कोई भी राज्य के सदस्य बन सकते है। अभी एसोसिएशन के 110 भी ज्यादा सदस्य हो चुके है। आगे 2 साल की योजना है की सभी राज्यों की एसोसिएशन को मिलाकर एक आल इंडिया कॉटन ब्रोकर एसोसिएशन बनाने का है और नई निति नियमो को भी अमल लाएंगे। ब्रोकर की क़्वालिटी बताते हुए कहा की ब्रोकर को ट्रांस्परेन्सी रख कर काम करना चाहिए। ये पारदर्शिता खरीदार और विक्रेता के साथ भी रखनी चाहिए। ट्रांस्परेन्सी होती है तो काम करना आसान हो जाता है।

मिलर और जिनर को सन्देश के लिए कहा की जिनर को अच्छी क़्वालिटी बनाना जरुरी है अगर अच्छी क़्वालिटी रहेगी तो विवाद कम होंगे। खरीददार और विक्रेता के बिच मतभेद नहीं होंगे।

भविष्य की कॉटन परिदृश्य को बताते हुए कहा की उनके अनुरूप से कॉटन का भविष्य अगर आतंरिक समस्या दूर हो जाती है तो कॉटन का भविष्य बहुत अच्छा है।

कॉटन ब्रोकर के दाईत्व के लिए बताया की ब्रोकर कॉटन बाजार से संबंधित सूचना, मूल्य निर्धारण, बाजार रणनीति और बाजार विश्लेषण प्रदान करना चाहिए । कॉटन ब्रोकर खरीदारों की मांग और आपूर्ति को समन्वयित करने में मदद करता है और उन्हें सही खरीदारी या विक्रय के लिए मार्केट जानकारी प्रदान करता है।

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE
FOR MORE INFORMATION CONTACT - +91 - 91119 77771

The Solvent Extractors' Association Of India

N. K. Proteins Pvt. Ltd.

All India Cotton Seed Crushers Association

PRESENTS

SEA-AICOSCA COTTONSEED, OIL & MEAL CONCLAVE

7th 8th July, 2023

The Fern Residency, Aurangabad

Maharashtra, India

Contact

Dr B V Mehta,
Executive Director,
THE SOLVENT EXTRACTORS' ASSOCIATION OF INDIA
142, Jolly Maker Chambers No. 2, 14th Floor 225, Nariman Point, Mumbai -400021. Tel- +91 22 22822979/ 2011475/ 35131729/ 35131730,
Email- seaofindia1963@gmail.com

Mr. A.K. Chowdhury
Secretary,
ALL INDIA COTTONSEED CRUSHERS' ASSOCIATION (AICOSCA)
Khetan Bhavan, 6th Floor,198, J.Tata Road, Churchgate, Mumbai-400 020.
Tel.: 22821935/62, M. +91-9833922510
Email: aicosca1@gmail.com/ info@aicosca.com

The fern Residency Tarrif

Room Type / Occupancy	Rate
Winter Green Single & Double Occupancy	Rs. 4000+ 12% GST
Fern Club Single & Double Occupancy	Rs. 5000 + 12% GST
Hazel Suite Single & Double Occupancy	Rs. 6000 + 12% GST

www.seaofindia.com

जानिए टेक्सटाइल निवेशकों के लिए केसा रहा यह सप्ताह

19 जून से 23 जून के मध्य प्रमुख टेक्सटाइल शेयर की वेल्यू पर आधारित स्पेशल रिपोर्ट पर एक नजर।

शेयर मार्केट में टेक्सटाइल सेगमेंट के लिए यह सप्ताह गिरावट देखने को मिली है . इस बिच कुछ कंपनीज के शेयर का मार्केट निचे गिरे जबकि कुछ मार्केट कैप पिछले सप्ताह की तुलना में स्थिर रहा. आइए जानते है बीएसई के मंच पर प्रमुख कंपनी की कैसे रही परफॉर्मेंस।

कंपनी	करंट प्राइस	हाई प्राइस	लोएस्ट प्राइस	हलचल
वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड	351.55	379.85	348.6	-0.97%
अरविंद लिमिटेड	134.75	139.6	129.95	2.78%
वेलसपन इंडिया	91.98	95.25	95.25	-2.41%
नितिन स्पिनर्स	263.95	273.7	261.15	-2.31%
रेमण्ड	1669.15	1785	1651.05	-4.07%
अक्षिता कॉटन	26.46	29.5	26.29	-3.40%

कॉटन मार्केट की साप्ताहिक हलचल पर एक नजर

SMART INFO SERVICES
CALL : 91119 77771 - 5
WEEKLY CHART 24.06.2023

ICE COTTON			
MONTH	16.06.23	23.06.23	WEEKLY CHANGE
JULY	81.46	78.06	-3.4
DEC	80.1	78.67	-1.43
MARCH	80.2	78.88	-1.32
MCX (COTTON)			
JUNE	57200	55400	-1800
AUG	58800	57120	-1680
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1504	1488	-16
NCDEX (COCUD KHAL)			
JULY	2590	2522	-68
AUG	2624	2557	-67
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	81.93	82.04	0.11
PAK (Pakistani Rupee)	287.454	286.498	-0.956
CNY (Chinese yuan)	7.12619	7.17985	0.05366
BRAZIL (Real)	4.82159	4.78306	-0.03853
AUSTRALIAN Dollar	1.45539	1.49706	0.04167
MALAYSIAN RINGGITS	4.61798	4.67646	0.05848
COTLOOK "A" INDEX	90.9	91.7	0.8
BRAZIL COTTON INDEX	82.62	79.92	-2.7
USDA SPOT RATE	76.59	74.37	-2.22
MCX SPOT RATE	57920	56780	-1140
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	20200	18700	-1500
GOLD ($)	1970.45	1930.30	-40.15
SILVER ($)	24.270	22.457	-1.813
CRUDE ($)	71.44	69.5	-1.94

लगातार दूसरे सप्ताह कॉटन के इंटरनेशल मार्केट में गिरावट नजर आयी। इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज के जुलाई 23, दिसंबर 23 और मार्च 24 माह के लिए कॉटन के भाव 3.40, 1.43 और 1.32 सेंट तक घटे है।

भारतीय बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर कॉटन के दाम में भी गिरावट देखी गई। जून माह के सौदा भाव में 1,800 रूपए प्रति कैंडी घट कर 57,200 रुपए पहुंचे।

एनसीडीएक्स पर कपास के भाव भी इस बार 16 रूपए प्रति 20 किलो तक की गिरावट देखी गई वही खल के भाव में जुलाई और अगस्त माह के लिए क्रमशः 68 और 67 रूपए प्रति क्विंटल की गिरावट हुई।

अन्य देशों के एक्सचेंज मार्केट पर नजर करें तो कॉटलुक "ए" इंडेक्स पर 0.80 अंक की तेजी आयी, ब्राजील कॉटन इंडेक्स पर 2.70 की गिरावट वही एमसीएक्स स्पॉट रेट पर 1,140 अंक की गिरावट दर्ज की गई है। इसके साथ यूएसडीए स्पॉट रेट पर 2.22 की कमी देखने को मिली है। पाकिस्तान के केसीए स्पॉट रेट पर सप्ताहअंत तक 1,500 रुपए तक भाव गिरे।

महाराष्ट्र में कपड़ा उद्योग वित्तीय संकट का सामना कर रहा है "इसलिए निजी सूतगीरनी बंध करने का विचार हो रहा है"

महाराष्ट्र राज्य कपास उत्पादन में देश में अग्रणी राज्य है।उद्योग का महत्व यह है कि राज्य में बड़ी और छोटी कपड़ा मिलें हैं। वैश्विक कताई एक बहुत ही महत्वपूर्ण कारक है।

2,500 से 3,000 करोड़ प्रतिवर्ष, दोनों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से, राज्य की कपास मिलों के मध्य के माध्यम से आय प्राप्त होता है ।कपास किसानों द्वारा उत्पादित कपास किसानों द्वारा नहीं बेची जाती है।

प्रदेश के विकास में देश की कताई का बहुत बड़ा योगदान है, लेकिन मौजूदा स्थिति में कताई गैर-निर्यात स्थिति के कारण बाजार में घरेलू आपूर्ति में भारी गिरावट आई है।30 से 40 रुपये प्रति किलो के हिसाब से नुकसान हो रहा है। इसलिए मिल को चालू रखना मुश्किल हो रहा है और सभी आत्मविश्वास बनाए रखना बहुत मुश्किल हो रहा है तथा मदद की आवश्कयता है ,अन्यथा संपूर्ण कपड़ा उद्योग प्रभावित होगा।पतन संभव है

एक महत्वपूर्ण बाबत ये भी है की सरकार की तरफ से मिलने वाली मदद सहकारी सुतगिरानी और निजी सुतगिरानी को मदद में अंतर है.और सहकारी सुतगिरनि और निजी सुतगिरानी को एक ही बाजार में बेचना पड़ता है जिसका बड़ा नुकसान निजी सुतगिरनि को भुगतना पड़ता है नए वस्त्रउद्योगनिति अनुसार सहकारी सुतगिरनि को बिजली छूट 2 रुपये प्रति यूनिट है जबकि निजी सुतगिरानी को 3 रुपये प्रति यूनिट है.

इस तरह सहकारी सुतगिरनि को 3000 रुपये प्रति स्पिण्डल के बराबर ब्याज सरकार मदद करेगी ये फैसला किया गया है निजी सुतगिरनी को भी इसकी आवश्यकता है ऐसे सहकारी व् निजी सुतगिरानी दोनों को इसकी आवश्यकता आहे.

आर्थिक स्थिति और मंदी को देखते हुए सरकार ने सहकारी और निजी सुतगिरानी को अंतर न करते हुए मदद करनी चाहिए। नहीं तो निजी सूतगीरनी को चलना मुश्किल हो जायेगा।

इस परिस्थिति को देखते हुए और हानि को रोकते हुए निजी सुतगिरानी आगे चलना कठिन दिखाई दे रहा है इसलिए निजी सूतगीरनी बंध करने का विचार हो रहा है.

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

पानीपत: यार्न उद्योग संकट में है

सूत उद्योगपतियों को अपना उद्योग एक ही पाली में चलाने के लिए बाध्य होना पड़ा। पिछले दो महीनों में रिसाइकल्ड यार्न के उत्पादन में 50 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है, जबकि घरेलू और वैश्विक बाजार में हथकरघा उत्पादों की मांग में कमी के कारण यार्न की दर में 20 प्रतिशत की गिरावट आई है।

"कपास की बीजाई कम , पंजाब में रकबा 2 लाख हेक्टेयर से कम हो सकता है"

बठिंडा : दशकों में यह पहली बार है कि सफेद सोने का रकबा 2 लाख हेक्टेयर से कम हो गया है। हालांकि सटीक आंकड़े अभी सामने नहीं आए हैं, लेकिन इस सीजन में इसके घटकर 1.75 लाख हेक्टेयर रहने का अनुमान है। एक के बाद एक कीटों के हमले, अप्रत्याशित मौसम पैटर्न और बुवाई के लिए नहर के पानी की अनुपलब्धता ने पंजाब में कपास की खेती को लगभग शून्य कर दिया है.

अबोहर में कपास के खेतों में पिंक बॉलवर्म का पता चला, किसान चिंतित

अबोहर के कपास किसान अपने खेतों में पिंक बॉलवर्म के पाए जाने से काफी चिंतित हैं, हालांकि अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल चिंता की कोई बात नहीं है। जानकारी के अनुसार, कीटों को उन खेतों में देखा गया था जहां किसानों ने 15 अप्रैल-15 मई की अनुशंसित अवधि से पहले फसल बोई थी।

पंजाब में बेचे गए 11.2 लाख कपास बीज पैक में से 2.6 लाख का पता नहीं चल पाया है

राज्य में 4,32,434 एकड़ में कपास की खेती के लिए वास्तव में इस्तेमाल किए गए बीजों से अधिक कपास के बीज के लगभग 2.61 लाख पैकेट बेचे गए। बीजों के उन पैकेटों को कैसे और कहां ले जाया गया या बेचा गया, इससे राज्य कृषि विभाग परेशान है।

बारिश में देरी के बाद कपास के बीज की कमी से किसान चिंतित हैं

नागपुर: भले ही मानसून के देरी से आने से क्षेत्र के किसान चिंतित हैं, लेकिन इस साल कपास के बीज की कम आपूर्ति उनकी परेशानी बढ़ा रही है। क्षेत्र के प्रत्येक इलाके में किसान कुछ विशिष्ट ब्रांडों के बीजों का उपयोग करते हैं क्योंकि उन्हें यह उनके क्षेत्र की मिट्टी की स्थिति के लिए उपयुक्त लगता है।

कॉटन फिजिकल मार्केट में दिखी इस सप्ताह गिरावट वाला रहा

यह सप्ताह कॉटन फिजिकल मार्केट के लिए गिरावट वाला रहा। नार्थ, सेंट्रल और साउथ तीनों ही झोन में कॉटन के भाव में गिरावट देखी गई। नार्थ झोन हरियाणा में 75 और अपर राजस्थान में 100 रूपए प्रति मंड तक दाम गिरे, पंजाब में स्थिरता दिखी।

वही सेंट्रल झोन के महाराष्ट्र राज्य में सबसे ज्यादा 1,300 रूपए प्रति कैंडी की गिरावट देखने को मिली। जबकि गुजरात में 1,000 और मध्य प्रदेश में 1,200 रूपए प्रति कैंडी तक कॉटन के दाम गिरे है।

साउथ झोन में भी गिरावट का रूख जारी रहा। सबसे ज्यादा कर्नाटक में 2,000 रूपए प्रति कैंडी तक की गिरावट आई है जबकि आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और ओडिशा में क्रमश 200,500 और 1,600 रूपए प्रति कैंडी तक कॉटन के दाम घटे।

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91119 77771 - 5

DATE: 24.06.2023

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	19.06.23		24.06.23		AVERAGE PRICE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,800	5,900	5,800	5,900	0
HARYANA	27.5/28	5,650	5,750	5,575	5,675	-75
UPER RAJASTHAN	28	6,000	6,100	5,900	6,000	-100
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	57,200	57,500	55,800	56,500	-1,000
MADHYA PRADESH	29	56,500	57,000	55,300	55,800	-1,200
MAHARASHTRA	29 vid.	56,500	57,500	55,500	56,200	-1,300
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5	59,000	59,100	57,000	57,500	-1,600
KARNATAKA	29.5/30 mm	56,500	57,000	55,000	55,000	-2,000
ANDHRA PRADESH	29/29.5 mm	57,700	58,200	57,500	58,000	-200
TELANGANA	29 mm 75 RD	56,500	57,000	56,000	56,500	-500

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy

NEWSLETTER

Saturday, 24 June 2023 | Volume - 51

The textile industry in Maharashtra is facing financial crisis

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

GOLD : 58300
SILVER : 68085
CRUD OIL : 5681

SUCCESSFULLY DOING THE WORK OF COTTON BROKERAGE SINCE FOUR GENERATIONS

Transcript of the interview given by Mr. Sachin Sharma to SIS News Team.

Sachin ji has been elected as the President of the Maharashtra Cotton Brokers Association for the second time. Giving his introduction, he told that in 1946 his grandfather Late. The work of brokerage was started by Shri Shakti Vallabh ji Sharma, after his son Shri Raj Kumar Sharma ji's retirement, this work has been handled by Sachin ji and his son Sahil Sharma and his younger brother Sanjeev Sharma ji. Sachin ji has been running a brokerage business in Akola, Maharashtra for the last 22 years, running the work he got, in which most of his work is done in the North and Maharashtra states, in which in the North for Trident, Vardhman, Nahar, RP International, Welspun India They work and work with the ginner of Maharashtra, Telangana, Karnataka and Lower Rajasthan, they also have offices in these states and there is a business of 5 to 6 lakh formations in a year.

Sachin Sharma (Bittu ji)
Shakti Vallabh Raj Kumar,
Cotton Broker & Canvassing Agent
Akola (Maharashtra)

There must be transparency between the buyer (BUYER) and the seller (SELLER).

The Maharashtra Cotton Brokers Association, replying to what changes were made in the last 2 years due to which it has been elected for the second time, said that a broker has to strike a balance between the buyer and the seller, so that there is less or no dispute if If there is a dispute, then the broker does not get the commission due to which he has to go through a lot of trouble. In view of this situation, a committee of 7 people has been formed in the Brokers Association, which resolves these disputes, and the committee has been named (Dispute Committee). Any other reason which helps the broker to get his commission from the buyer and seller. Maharashtra Cotton Brokers Association is completing 50 years due to which the Golden Festival is being celebrated. Earlier only the people of Maharashtra were made members in the association, but now any state can become a member. Now the association has more than 110 members. There is a plan for the next 2 years to form an All India Cotton Brokers Association by merging all the state associations and will also implement the new policy rules. Describing the quality of the broker, he said that the broker should work with transparency. This transparency should be maintained with the buyer as well as the seller. When there is transparency, it becomes easy to work.

Told Miller and Ginner to convey the message that it is necessary to make Ginner of good quality, if there is good quality then there will be less disputes. There will be no differences between buyer and seller.

Describing the future cotton scenario, according to him, the future of cotton is very good if the internal problem is removed.

It is the responsibility of the cotton broker to provide information, pricing, market strategy and market analysis related to the cotton market. Cotton broker helps the buyers to coordinate the demand and supply and provides them market information for the right buying or selling.

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77771

The Solvent Extractors' Association Of India

N. K. Proteins Pvt. Ltd.

All India Cotton Seed Crushers Association

PRESENTS

SEA-AICOSCA
COTTONSEED, OIL & MEAL CONCLAVE

7th 8th
July, 2023
The Fern Residency, Aurangabad
Maharashtra, India

Contact

Dr B V Mehta,
Executive Director,
THE SOLVENT EXTRACTORS' ASSOCIATION OF INDIA
142, Jolly Maker Chambers No. 2, 14th Floor 225, Nariman Point, Mumbai -400021. Tel- +91 22 22822979/ 2011475/ 35131729/ 35131730,
Email- seaofindia1963@gmail.com

Mr. A.K. Chowdhury
Secretary,
ALL INDIA COTTONSEED CRUSHERS' ASSOCIATION (AICOSCA)
Khetan Bhavan, 6th Floor,198, J.Tata Road, Churchgate, Mumbai-400 020.
Tel.: 22821935/62, M. +91-9833922510
Email: aicosca1@gmail.com/ info@aicosca.com

The fern Residency Tarrif

Room Type / Occupancy	Rate
Winter Green Single & Double Occupancy	Rs. 4000+ 12% GST
Fern Club Single & Double Occupancy	Rs. 5000 + 12% GST
Hazel Suite Single & Double Occupancy	Rs. 6000 + 12% GST

www.seaofindia.com

Know how this week was for textile investors

Have a look at the special report based on the value of major textile stocks between June 19 and June 23.

This week has seen a decline for the textile segment in the stock market. Meanwhile, the share market of some companies fell down, while the market cap of some remained stable as compared to last week. Let's know how the major company's performance was on the platform of BSE.

COMPANY	CURRENT PRICE	HIGH PRICE	LOW PRICE	MOVEMENT
VARDHMAN TEXTILE LIMITED	351.55	379.85	348.6	-0.97%
ARVIND LIMITED	134.75	139.6	129.95	2.78%
WELSPUN INDIA	91.98	95.25	95.25	-2.41%
NITIN SPINNERS	263.95	273.7	261.15	-2.31%
RAYMOND	1669.15	1785	1651.05	-4.07%
AXITA COTTON	26.46	29.5	26.29	-3.40%

A look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77771 - 5

WEEKLY CHART 24.06.2023

ICE COTTON			
MONTH	16.06.23	23.06.23	WEEKLY CHANGE
JULY	81.46	78.06	-3.4
DEC	80.1	78.67	-1.43
MARCH	80.2	78.88	-1.32
MCX (COTTON)			
JUNE	57200	55400	-1800
AUG	58800	57120	-1680
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1504	1488	-16
NCDEX (COCUD KHAL)			
JULY	2590	2522	-68
AUG	2624	2557	-67
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	81.93	82.04	0.11
PAK (Pakistani Rupee)	287.454	286.498	-0.956
CNY (Chinese yuan)	7.12619	7.17985	0.05366
BRAZIL (Real)	4.82159	4.78306	-0.03853
AUSTRALIAN Dollar	1.45539	1.49706	0.04167
MALAYSIAN RINGGITS	4.61798	4.67646	0.05848
COTLOOK "A" INDEX	90.9	91.7	0.8
BRAZIL COTTON INDEX	82.62	79.92	-2.7
USDA SPOT RATE	76.59	74.37	-2.22
MCX SPOT RATE	57920	56780	-1140
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	20200	18700	-1500
GOLD ($)	1970.45	1930.30	-40.15
SILVER ($)	24.270	22.457	-1.813
CRUDE ($)	71.44	69.5	-1.94

For the second consecutive week, there was a decline in the international cotton market. Cotton rates for the months of July 23, December 23 and March 24 on the International Cotton Exchange declined by 3.40, 1.43 and 1.32 cents.

Cotton prices also saw a decline on the Multi Commodity Exchange (MCX) in the Indian market. The bargain price for the month of June declined by Rs. 1,800 to Rs. 57,200 per candy.

On NCDX, cotton prices also declined by Rs. 16 per 20 kg this time, while the prices of khal fell by Rs. 68 and Rs. 67 per quintal for the months of July and August, respectively.

Looking at the exchange market of other countries, the Cotlook "A" index rose by 0.80 points, the Brazil Cotton index declined by 2.70 points, while the MCX spot rate recorded a decline of 1,140 points. With this, there has been a decrease of 2.22 on the USDA spot rate. Pakistan's KCA spot rate fell by Rs 1,500 by the end of the week.

The textile industry in Maharashtra is facing financial crisis "hence the idea of setting up private cotton mills"

The state of Maharashtra is the leading state in the country in cotton production. The importance of the industry is that the state has large and small textile mills. Global spinning is a very important factor.

2,500 to 3,000 crores per annum, both directly and indirectly, through the medium of the state's cotton mills. Cotton produced by cotton farmers is not sold by the farmers.

The country's spinning has a huge contribution in the development of the state, but in the current situation, due to the spinning non-export situation, there has been a huge decline in the domestic supply in the market. There is a loss of Rs 30 to 40 per kg. So it is becoming difficult to keep the mill running and it is becoming very difficult to maintain all the confidence and help is needed, otherwise the whole textile industry will be affected. Collapse is possible

There is also an important matter that there is a difference between the help received from the government to the co-operative cotton mill and the private cotton mill. And the co-operative cotton mill and the private cotton mill have to sell in the same market, due to which the private cotton mill has to suffer a big loss. Accordingly, the electricity rebate for cooperative Sutgirani is Rs 2 per unit while for private Sutgirani it is Rs 3 per unit.

In this way, the government will help the co-operative cotton mill with interest equal to Rs 3000 per spindle, it has been decided that private cotton mill also needs it, both cooperative and private cotton mill need it.

Looking at the economic situation and recession, the government should help cooperative and private cotton farmers without making any distinction. Otherwise, it will be difficult for private spinners to run.
Looking at this situation and preventing the loss, it is difficult to move ahead with private thread weaving, so the idea of bandhing private thread weaving is being floated.

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

Panipat: Yarn industry is in trouble

The cotton industrialists were forced to run their industry in a single shift. Recycled yarn production has declined by over 50 per cent in the last two months, while yarn rates have declined by 20 per cent due to lack of demand for handloom products in the domestic and global markets.

"Cotton sowing is less, the area in Punjab may be less than 2 lakh hectares"

Bathinda: This is the first time in decades that the area under white gold has come down to less than 2 lakh hectares. Though the exact figures are yet to be revealed, it is estimated to come down to 1.75 lakh hectares this season. Back-to-back pest attacks, unpredictable weather patterns and non-availability of canal water for sowing have reduced cotton cultivation to almost nil in Punjab.

Pink bollworm detected in cotton fields in Abohar, farmers worried

The cotton farmers of Abohar are worried about the pink bollworm being found in their fields, although officials say there is nothing to worry about at the moment. As per the information, the pests were seen in the fields where the farmers had sown the crop before the recommended period of April 15-May 15.

Out of 11.2 lakh cotton seed packs sold in Punjab, 2.6 lakh are untraceable

Around 2.61 lakh packets of cotton seeds were sold in excess of the seeds actually used for cotton cultivation in 4,32,434 acres in the state. The state agriculture department is troubled by how and where those packets of seeds were transported or sold.

Farmers worried over shortage of seed cotton after rain delay

Nagpur: Even as the late arrival of monsoon worries farmers in the region, short supply of seed cotton this year is adding to their woes. Farmers in each locality of the region use certain brands of seeds as they find it suitable for the soil conditions of their region.

This week saw a decline in the cotton physical market

This week turned out to be a bearish one for the cotton physical market. Cotton prices declined in all the three zones North, Central and South. The prices fell by Rs.75 in North Zone Haryana and Rs.100 per mand in Upper Rajasthan, stability was seen in Punjab.

The state of Maharashtra in the Central Zone saw the maximum fall of Rs 1,300 per candy. While cotton prices have fallen by Rs 1,000 in Gujarat and Rs 1,200 per candy in Madhya Pradesh.

The declining trend continued in South Zone as well. Karnataka fell the most by Rs 2,000 per candy, while cotton prices fell by Rs 200,500 and Rs 1,600 per candy in Andhra Pradesh, Telangana and Odisha, respectively.

SMART INFO SERVICES

india.smartinfo@gmail.com

Call : 91119 77771 - 5

DATE: 24.06.2023

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	19.06.23		24.06.23		AVERAGE PRICE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,800	5,900	5,800	5,900	0
HARYANA	27.5/28	5,650	5,750	5,575	5,675	-75
UPER RAJASTHAN	28	6,000	6,100	5,900	6,000	-100
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	57,200	57,500	55,800	56,500	-1,000
MADHYA PRADESH	29	56,500	57,000	55,300	55,800	-1,200
MAHARASHTRA	29 vid.	56,500	57,500	55,500	56,200	-1,300
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5	59,000	59,100	57,000	57,500	-1,600
KARNATAKA	29.5/30 mm	56,500	57,000	55,000	55,000	-2,000
ANDHRA PRADESH	29/29.5 mm	57,700	58,200	57,500	58,000	-200
TELANGANA	29 mm 75 RD	56,500	57,000	56,000	56,500	-500

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.

Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy